पी. सी. ओ.-01

स्नातक उपाधि कार्यक्रम
(बी. डी. पी)

सत्रीय कार्य

2020–2021

वाणिज्य में ऐच्छिक पाठ्यक्रम
पी. सी. ओ-01: व्यवसायिक संगठन

जुलाई 2020 तथा जनवरी 2021 प्रवेश सत्र के लिए

प्रबंध अध्ययन विद्यापीठ

इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय

मैदान गढ़ी, नई दिल्ली – **110068**

प्रबंध अध्ययन विद्यापीठ

इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय

वाणिज्य में ऐच्छिक पाठ्यक्रम
पी. सी. ओ-01 : व्यवसायिक संगठन
सत्रीय कार्य – 2020–21

प्रिय छात्र/छात्राओं,

जैसा कि कार्यक्रम दर्शिका में स्पष्ट किया गया है, इस कार्यक्रम में आपको प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए एक सत्रीय कार्य करना है। सभी सत्रीय कार्य आपको एक साथ भेजे जा रहे हैं।

अंतिम परीक्षा में सत्रीय कार्य के लिए 30 प्रतिशत अंक निर्धारित हैं। सत्रांत परीक्षा में बैठने योग्य होने के लिए यह आवश्यक है कि समय सूची के अनुसार आप इन सत्रीय कार्यों को पूरा करके भेज दें। सत्रीय कार्य को करने से पहले आपको चाहिए कि कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ लें, जिसे आपके पास अलग से भेजा गया है।

यह सत्रीय कार्य दो प्रवेश सत्र अर्थात् **(जुलाई 2020 और जनवरी 2021)** के लिए वैध है, इसकी वैधता निम्नलिखित है :–

1. जो **जुलाई 2020** में पंजीकृत है उनकी वैधता **जून 2021** तक है।

2. जो **जनवरी 2021** में पंजीकृत है उनकी वैधता **दिसंबर 2021** है।

यदि आप जून सत्रांत परीक्षा में बैठना चाहते हैं तो इन्हें **15 मार्च** तक अवश्य जमा कर दें। यदि आप दिसम्बर सत्रांत परीक्षा में बैठना चाहते हैं तो आपके लिए आवश्यक है कि आप इन्हें **15 सितम्बर** तक अध्ययन केंद्र के संयोजक के पास जमा कर दें।

अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम का कोड	**:**	**पी. सी. ओ. -01**
पाठ्यक्रम का शीर्षक	**:**	**वाणिज्य में प्रारंभिक पाठ्यक्रम**
सत्रीय कार्य का कोड	**:**	**पी. सी. ओ. -01/टी. एम. ए./ 2020-2021**
खण्डों की संख्या	**:**	**सभी खण्ड**

अधिकतम अंक : 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. व्यवसाय से आप क्या समझते हैं ? व्यावसायिक कार्यकलापों के विभिन्न प्रकारों का विवरण दीजिए। माल को उत्पादक से उपभोक्ता तक बिना किसी बाधा के पहुंचाने में सहायता करने वाले विभिन्न पक्षों के बारे में बताइए। **(2,5,3)**

2. दोहरी प्रविष्टि के सिद्धांत से आप क्या समझते हैं ? डेबिट और क्रेडिट के नियम उचित उदाहरणों के साथ लिखिए। लेखाकरण प्रक्रिया में आने वाले विभिन्न चरणों का विवेचन कीजिए। **(2,4,4)**

3. निम्नलिखित लेनदेन को जर्नल में रिकॉर्ड करें, उन्हें लेजर बही में पोस्ट करें एवं ट्रायल बैलेंस तैयार करें। **(4,4,2)**

4,00,000 रु. की पूंजी के साथ कारोबार शुरू किया।
राय एंड संस से उधार में 1,00,000 रु. का फर्नीचर खरीदा।
शालिनी एंड ब्रदर्स को 12,000 रु. का भुगतान किया।
राजस्थान हैंडलूम से 6,000 रु. का कमीशन प्राप्त हुआ।
रघुवीर एंड संस से 5,00,000 रु. का माल ख़रीदा।
दयाल एंड संस को 7,000 रु. का ब्याज भुगतान किया।

4. जर्नल का उपविभाजन क्यों किया जाता है ? विशिष्ट जर्नलों के नाम बताइए और स्पष्ट कीजिए कि प्रत्येक में किस तरह के लेन - देन कि प्रविष्टि की जाती है ? **(3,7)**

5. रोकड़ बही और पासबुक द्वारा दिखाए गए शेष में भिन्नता के विभिन्न कारण बताइए। बैंक समाधान विवरण बनाने की पद्धति समझाइए। **(5,5)**

6. लेखांकन के रोकड़ आधार और उपार्जन आधार में अंतर को उदाहरणों के साथ स्पष्ट कीजिए। अंतिम लेखे बनाते समय पालन की जाने वाली मुख्य लेखांकन संकल्पनाओं को संक्षेप में समझाइए। **(5,10)**

7. आप यह किस प्रकार ज्ञात करेंगे कि कोई व्यय पूंजीगत है अथवा आयगत ? प्रत्येक के पाँच - पाँच उदाहरण दीजिए। आस्थगित आयगत व्यय की अवधारणा को उचित उदाहरण के साथ समझाइए। **(10,5)**

8. **(क)** अशोध्य ऋणों के लिए प्रावधान एवं देनदारों पर छूट के प्रावधान से आपका क्या अभिप्राय है ? अंतिम खातों में इनका लेखा किस प्रकार किया जाता है ? **(5,5)**

(ख) एक पक्षीय अशुद्धियों से क्या अभिप्राय है ? कोई पाँच उदाहरण दीजिए। एक पक्षीय अशुद्धियों के शोधन की विधि का वर्णन कीजिए। **(2,3,5)**